सिफ्सा
SIFPSA

5 बाल स्वास्थ्य

गीता का बच्चा बहुत कमजोर है। बच्चे की दादी और बुआ पारंपरिक रीति रिवाजों को मानने वाले हैं और उनके कहे अनुसार वह बच्चे को अपना दूध पिलाने की जगह बकरी के दूध में शहद मिला कर दे रही है। इस कारण कुछ दिनों बाद बच्चे को दस्त आने लगते हैं।

अम्मा मुन्ने की हालत बिगड़ रही है। इसके दस्त तो रूक ही नहीं रहे।

बहू ज्यादा चिंता मत करो इसकी नजर उतार दो और ये लो पीर बाबा का ताबीज़ मुन्ने को पहना दो।

अम्मा के कहे अनुसार गीता अपने बच्चे की नजर उतारती है, कुछ ही देर बाद

अम्मा इसका शरीर भी ठंडा हो रहा है। हाय! मेरे मुन्ने को यह क्या हो गया है।

हमारे मुख्य पात्रों से एक मुलाकात

गीता
(गांव की एक महिला)

अम्मा
(गीता की सास)

इमरती माई
(स्वास्थ्य व कल्याण समिति की सदस्य)

शीला बहनजी
(ए.एन.एम.)

मदन
(स्वास्थ्य व कल्याण समिति का सदस्य)

डाक्टर साहब

करीम चाचा
(स्वास्थ्य व कल्याण समिति का सदस्य)

तभी गांव की स्वास्थ्य समिति की सदस्या लछमी चाची आती है। जो ग्राम स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति के कार्यों में लगी हैं।
गीता क्या बात है? क्यों रो रही हो?
क्या बताऊं चाची। मुन्ने की तबियत बहुत खराब है। नजर उतारने और ताबीज पहनाने के बाद भी इसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा है।
अरी! इन बातों से क्या होगा। मेरी राय मानो तो चलो पहले इसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर चलते हैं और नर्स दीदी को दिखाते हैं।
गीता मुन्ने को लेकर लछमी चाची और अपनी सासू मां के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आती है और शीला बहनजी बच्चे को तुरंत ओ.आर.एस. का घोल पिलाती हैं। बच्चे की हालत में धीरे-धीरे सुधार आता है। फिर डाक्टर को दिखा कर दवा दिलवाती है।
तुमने काफी देर कर दी। अच्छा रुको डाक्टर साहब को भी दिखलवा दूं।
इसे तुरंत बोतल चढ़ाओ क्योंकि इसके बदन में पानी की कमी हो गई है।

इलाज के बाद बच्चा ठीक हो जाता है।

दीदी आपका भला हो। आपने मेरे बच्चे को ठीक कर दिया।

बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए मैं तुम्हें कुछ बातें बताती हूं। पहला जैसे – मां का पहला दूध खीस बच्चे के लिए बहुत लाभकारी है। यह बच्चे को बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। दूसरा छः महीने तक बच्चे को केवल मां का ही दूध पिलाना चाहिए इसके बाद मसली हुई रोटी, दाल, फल, सब्जियां और दलिया भी देना चाहिए क्योंकि इस उम्र में मां का दूध बच्चे के लिए कम पड़ता है।

दीदी, आपकी बताई बातों पर मैं ध्यान दूंगी। और ये बात परिवार एवं गांव के सभी लोगों को भी बताऊंगी।

यह तो बड़ी अच्छी बात है, पर तुम एक बात और समझ लो कि अगर कभी भी बच्चे को बहुत ज्यादा पानी की तरह पतले दस्त हों तो उसे तुरंत ओ.आर.एस. का घोल पिलाना शुरू कर देना साथ ही डाक्टर को भी दिखा देना।

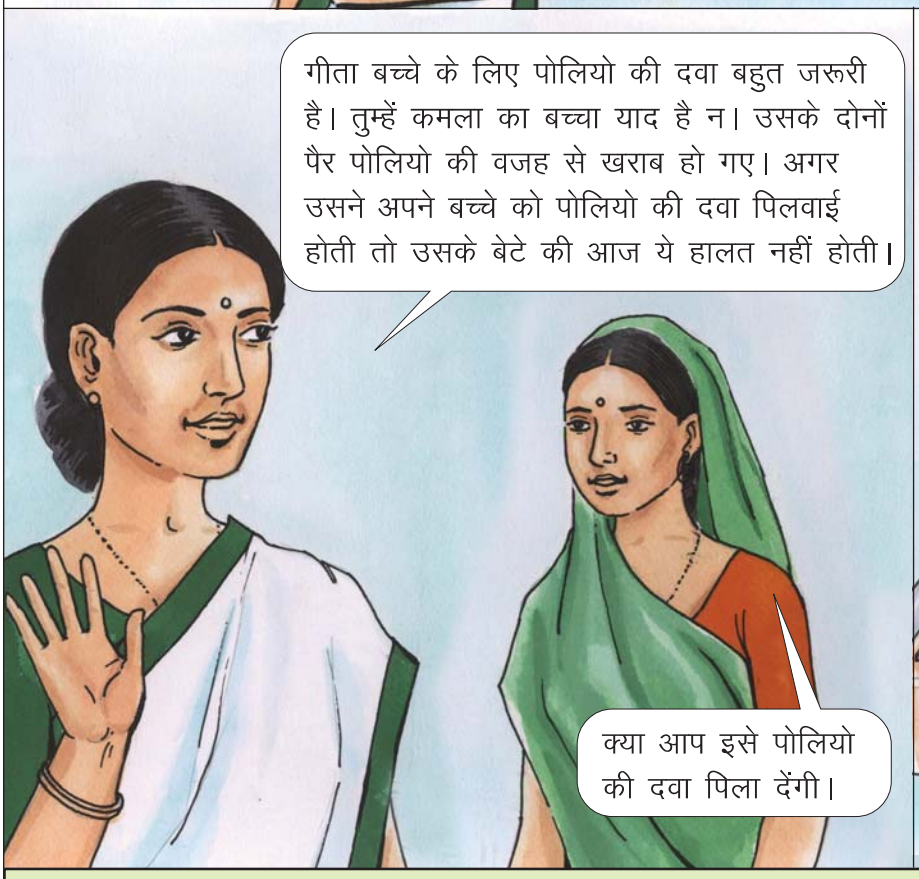

बच्चों को स्वस्थ एवं खुशहाल रखने के लिए निम्न बातों पर जरूर ध्यान दें:

1. बच्चे को मां का पहला दूध (खीस) अवश्य पिलाएं।
2. पहले छः महीने तक बच्चे को केवल मां का दूध दें।
3. छः जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए सभी टीके जरूर लगवाएं।

सिफ्सा
SIFPSA

अगली बार शीला बहनजी गांव में टीकाकरण के लिए आती हैं। ग्राम स्वास्थ्य समिति के सदस्य और आंगनवाड़ी कार्यकत्री बच्चों को इकट्ठा करने में सहयोग करते हैं और अलग-अलग टोलों में जाकर बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्र तक लाते हैं। लाने की प्रक्रिया में लोगों की भ्रांतियां भी दूर करते चलते हैं।
लछमी, इमरती, मदन सभी बैठो आज गांव में टीकाकरण का दिन है। शीला बहनजी कुछ ही देर में पहुंचने वाली ही होंगी।
हमें क्या करना होगा करीम चाचा?
करना क्या है, चलो गांव के 5 साल तक की उम्र के बच्चों को यहां इकट्ठा करते हैं और लोगों को शीला बहन के आने की खबर देते हैं।

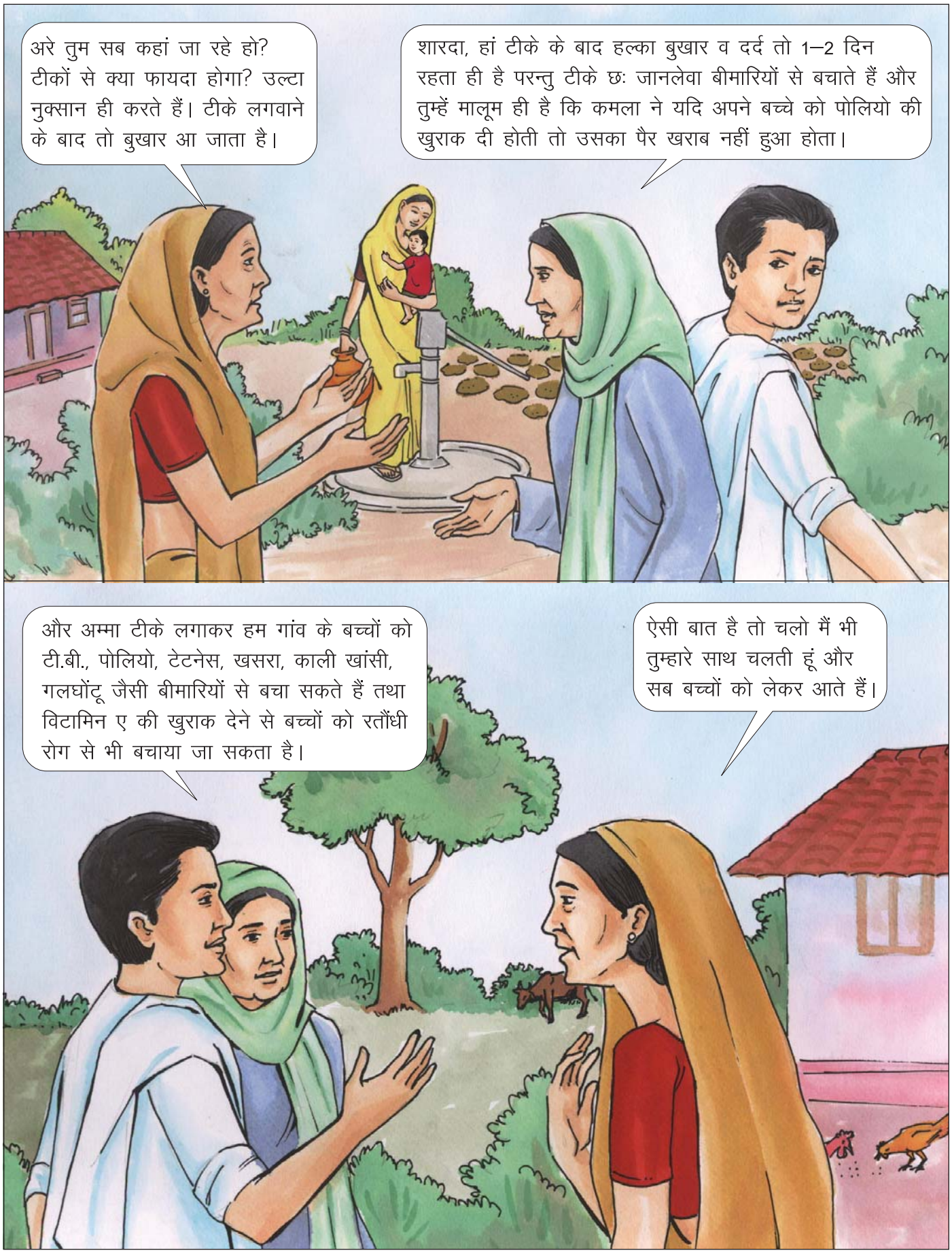
अरे तुम सब कहां जा रहे हो? टीकों से क्या फायदा होगा? उल्टा नुक्सान ही करते हैं। टीके लगवाने के बाद तो बुखार आ जाता है।
शारदा, हां टीके के बाद हल्का बुखार व दर्द तो 1–2 दिन रहता ही है परन्तु टीके छः जानलेवा बीमारियों से बचाते हैं और तुम्हें मालूम ही है कि कमला ने यदि अपने बच्चे को पोलियो की खुराक दी होती तो उसका पैर खराब नहीं हुआ होता।
और अम्मा टीके लगाकर हम गांव के बच्चों को टी.बी., पोलियो, टेटनेस, खसरा, काली खांसी, गलघोंटू जैसी बीमारियों से बचा सकते हैं तथा विटामिन ए की खुराक देने से बच्चों को रतौंधी रोग से भी बचाया जा सकता है।
ऐसी बात है तो चलो मैं भी तुम्हारे साथ चलती हूं और सब बच्चों को लेकर आते हैं।

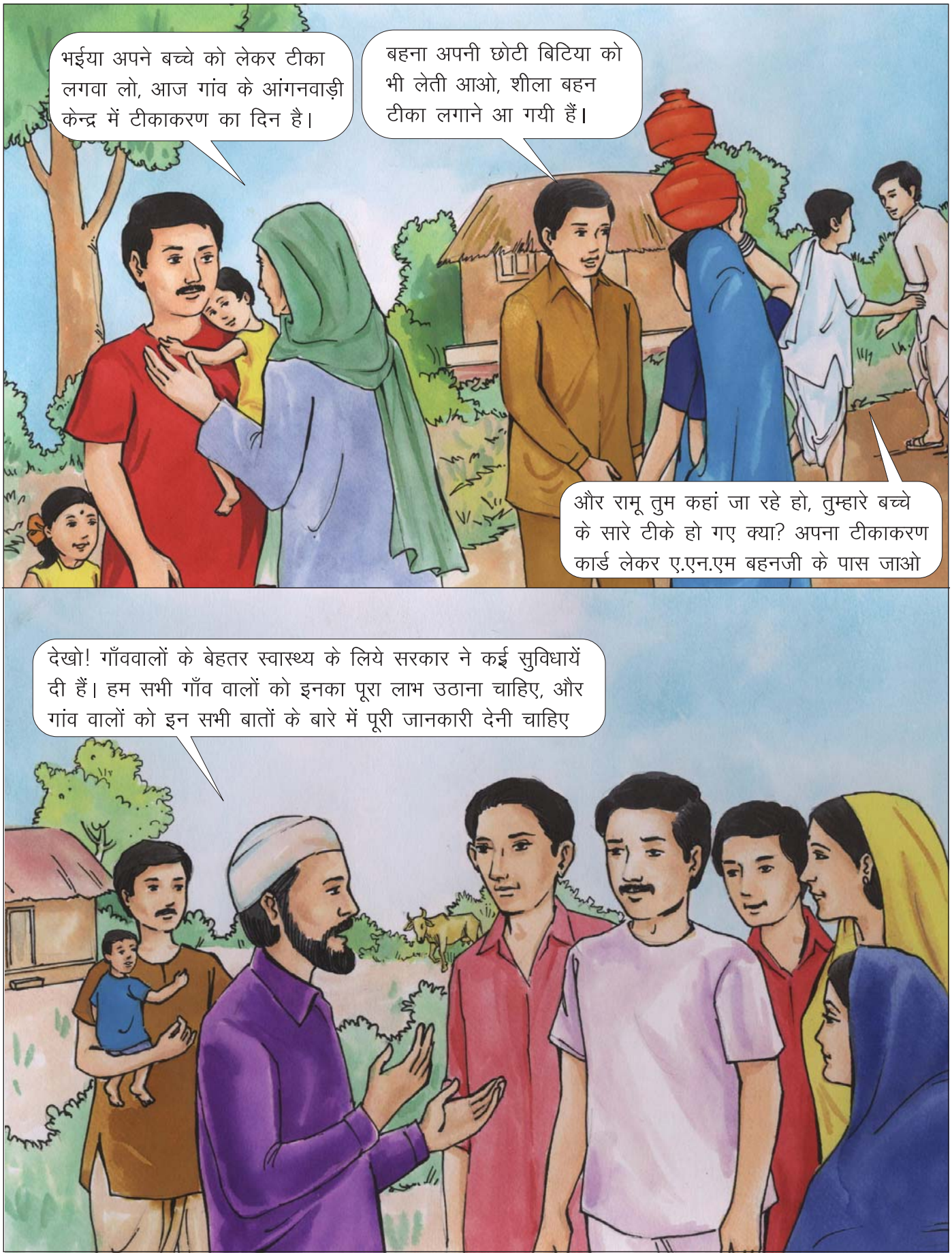
भईया अपने बच्चे को लेकर टीका लगवा लो, आज गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र में टीकाकरण का दिन है।
बहना अपनी छोटी बिटिया को भी लेती आओ, शीला बहन टीका लगाने आ गयी हैं।
और रामू तुम कहां जा रहे हो, तुम्हारे बच्चे के सारे टीके हो गए क्या? अपना टीकाकरण कार्ड लेकर ए.एन.एम बहनजी के पास जाओ
देखो! गाँववालों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये सरकार ने कई सुविधायें दी हैं। हम सभी गाँव वालों को इनका पूरा लाभ उठाना चाहिए, और गांव वालों को इन सभी बातों के बारे में पूरी जानकारी देनी चाहिए

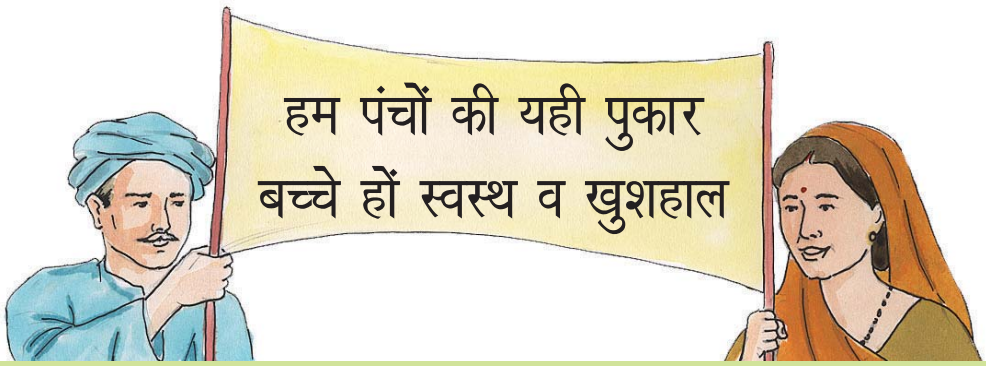

सिफ्सा
SIFPSA

नीचे दिए प्रश्नों का उत्तर चित्रकथा में ढूंढें

- बच्चे को दस्त होने पर क्या पिलाना चाहिए?
- बच्चे को छः जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए कौन-कौन से टीके लगवाने चाहिए?
- बच्चों को विटामिन ए की खुराक क्यों देनी चाहिए?

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के द्वारा देश के प्रत्येक गांव में एक प्रशिक्षित महिला स्वास्थ्य कार्मिक '' आशा'' सुलभ कराई जा रही है। ''आशा'' गांव से ही चुनी जा रही है। और वह गांव के प्रति जवाबदेह होगी।